



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १६] नई विल्ली, शनिवार, अप्रैल १७, १९७६ (चैत्र २८, १८९८)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17, 1976 (CHAITRA 28, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग III—खण्ड ४

PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

भारतीय रिजर्व बैंक	1	2	3
कृषि ऋण विभाग	2.	न्यू इंडिया इण्डस्ट्रीज एम्प्लाईज	गुजरात
केन्द्रीय कार्यालय		को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि०	
बम्बई-४०० ०१८, दिनांक ३ अप्रैल १९७६		जेतलपुर रोड	
सं० १० सी० डी०-३९/प० १८-७५/६—बैंकिंग विनियमन		बड़ौदा	
अधिनियम, १९४९ की धारा ३६ए की उपधारा (२) के माथ		जिला बड़ौदा	
पढ़ी जानेवाली धारा ५६ के खल (जैड) के अनुमरण में भारतीय		3. भावनगर पोर्ट नोकरियात महकारी	—वही—
रिजर्व बैंक द्वारा जरिये यह अधिसूचित करता है कि निम्नलिखित		शाखावाली मंडली लि०	
सहमारी बैंक उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए महकारी बैंक		पोर्ट आफिस, बन्दर रोड	
नहीं रह गए हैं :—		भावनगर	
क्रम सं० प्राथमिक सहमारी बैंक का नाम राज्य/संघ शासित		जिला भावनगर	
क्षेत्र	3		
1 2			
1. स्टेट बैंक आफ इंडिया स्टाफ		4. दिएनकुलम डिस्ट्रिक्ट पोस्टम एप्ल	केरल
को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि०		टेलिग्राफ्स एम्प्लाईज को-आपरेटिव	
स्टेट बैंक आफ इंडिया बिल्डिंग		सोसायटी लि०, नं० ६०-८५	
बैंक स्ट्रीट		एनकुलम	
प०० बा० नं० १२५		जिला एनकुलम	
हैदराबाद-१		5. दि पोस्टम एण्ड टेलिग्राफ एम्प्लाईज	—वही—
		को-आपरेटिव सोसायटी लि०,	
		नं० १९४०	
		न्यू पोस्टमास्टर जनरल्स आफिस	
		किवेन्ड्रम्	
		जिला किवेन्ड्रम्	

1	2	3	1	2	3
6. एम० सी० ग्र० ई० एम० नाईज को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि० पूना, 194, रास्था पेठ पूना-2	महाराष्ट्र	पश्चिम बंगाल	10. इन्स्योरेन्स एम्प्लाईज को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि० जलपहुरी जीवन प्रकाश बिल्डिंग पोस्ट आफिस ओर जिला जलपहुरी	पश्चिम बंगाल	
7. कलकत्ता मिन्ट को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि० मिन्ट हाउस, अलीपोर कलकत्ता-53	पश्चिम बंगाल		11. किलबने एम्प्लाईज को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि० 2, फेअर्ली प्लैम, कलकत्ता-1	—वही—	
8. गिलन्दर्स को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि० गिलन्दर हाउस 8, नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता-1	—वही—		12. यूनियन को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी आफ कलकत्ता लि० द्वारा वडे एण्ड कं० चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग 1/1 नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता-1	—वही—	
9. जी० ई० सी० स्टाफ सेल्फ हेल्प को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि० 6, सेन्ट्रल एवेन्यू, कलकत्ता-13	—वही—		13. बंगाल सेंट्रिशिप को-आपरेटिव सोसायटी लि० राइटर्स बिल्डिंग कलकत्ता-1	—वही—	

के० मुब्बारेड्डी, संयुक्त मुख्य अधिकारी

बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

बम्बई-400001, दिनांक अप्रैल 1976

दिनांक 6 दिसम्बर 1975 के भारत के राजपत्र के भाग III, खंड 4 में प्रकाशित दिनांक 15 नवम्बर, 1975 की अधिसूचना सं० ए० पी० पी० 880/सी० 452 (के 25 ए)-75 का शुद्धि पत्र :—

पृष्ठ संख्या	पंक्ति	निम्नलिखित के लिए	निम्नलिखित पढ़िए
2073	ऊपर से 5	सं० ए० पी० पी० 880/पी०	सं० ए० पी० पी० 880/सी०
—वही—	ऊपर से 10 क्रम सं० 2	मेसर्स एम० एम० रायजी एण्ड कंपनी	मेसर्स एन० एम० रायजी एण्ड कंपनी
—वही—	नीचे से 7 क्रम सं० 6	मेसर्स अपाजी अमीन एण्ड कंपनी	मेसर्स अपाजी अमीन एण्ड कंपनी
—वही—	नीचे से 6 क्रम सं० 7	मेसर्स वेणुगोपाल एण्ड पिनाय	मेसर्स वेणुगोपाल एण्ड चिनाय
—वही—	नीचे से 3	स्टेट बैंक आफ इंडिया को	स्टेट बैंक आफ इंडिया की

दिनांक 23 अगस्त, 1975 के भारत के राजपत्र—भाग III—खण्ड 4 में प्रकाशित भारतीय रिजर्व बैंक नोट वापसी नियमावली, 1975।

गुदि-पत्र

पूछ संख्या	नियम संख्या	पंक्ति	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़ें
1. 1587	शीर्षक	—	रिजर्व बैंक आफ इंडिया	भारतीय रिजर्व बैंक
2. 1588	भाग II का शीर्षक	—	रूपये	रूपये
	6	1	मूल्य वर्ग पके किसी	मूल्य वर्ग के किसी
3. „	8	2	कटे फटे-नोट का मूल्य	तो कटे-फटे नोट का मूल्य
4. „	8()	3	आध अव्र	आधे अव्र
5. 1589	8(iii)	8	एक भी टुकड़े पर	एक ही टुकड़े पर
6. „	8 (iii)	अतिम	कोई अस्पष्ट नहीं है	कोई अंक अस्पष्ट नहीं है
7. „	9(ख) (iii)	1	राज्य का संपूर्ण चित्र	राजा का संपूर्ण चित्र
8. „	9(ख) (iv)	1	यदि श्रृंखलागत	यदि श्रृंखलागत
9. „	9(1) (ख) (j)	1	श्रृंखला	श्रृंखलागत
10. 1590	9(2) (क)	6	स्वरूपेण	स्वरूप के
11. „	9(2) (ख) (iii)	2	चिह्न तक	चिह्न तथा
12. „	9(2) (ग)	8	(vi) में	(iv) में
13. „	9(2) (घ)	21	एक या दो परंतु अनधिक	एक या दो परंतु दो से अनधिक
14. „	11 (शीर्षक)	—	पूर्ण रूप से दावे के साथ	पूर्ण रूप से दावों के साथ
15. 1591	13	9	इस विभाग का	इसू विभाग का
16. „	13	13	वह बैंक	वह बैंक में
17. „	13	16	शाखा के इस विभाग में	शाखा के इशू विभाग में
18. „	13(3)	8	वैध प्रतिनिधि को अपने द्वारा	वैध प्रतिनिधि को इस विषय में अपने द्वारा
19. „	13(3)	9	अदालत द्वारा	आदाता द्वारा
20. „	13(4)	7	किसी मामले में	किसी भी मामले में
21. 1592	14(2) (ख)	4	प्राप्त है	प्राप्त हों
22. „	14(2) (ख)	5	प्रत्येक	प्रत्येक
23. „	15(1)	3	नोट के खाये हुए भाग	नोट के खोये हुए भाग
24. 1592	15(2) (ग)	2	अनिर्णीय हैं	अनिर्णीत हैं
25. „	16(क)	1	इस संबंध में	इस संबंध में
26. 1593	18	नीचे से 11	निर्दिष्ट की भी शर्त	निर्दिष्ट कोई भी शर्त
27. „	20(2)	5	उत्तराधिकारियों का नामित	उत्तराधिकारियों या नामित
28. 1594	22(2)	1	उक्त नियम	उप नियम
29. „	22(2) (क)	1	जिसको अदायगी	जिसकी अदायगी
30. „	3 (शीर्षक)	—	की	को
31. „	23(2)	2	प्रोवेट	प्रोब्रेट
32. „	24	1	बैंक का दावेदार को	बैंक दावेदार को
33. „	26	4	निर्णय की सूचना	निर्णय की सूचना

भारतीय स्टेट बैंक
बम्बई, दिनांक 25 मार्च 1976

सूचना

स्थानीय बोर्ड, बम्बई के एक मदस्य डा० दासु रामास्वामी के स्थान पर, जिनसा कि कार्यकाल 10 अप्रैल, 1976 को समाप्त हो जाएगा, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (घ) के अन्तर्गत स्थानीय बोर्ड, बम्बई की सदस्यता के लिए एक व्यक्ति ना चुनाव करने के एकमात्र उद्देश्य से स्थानीय प्रधान कार्यालय, बम्बई में अवस्थित शेयर-धारियों के शाखा रजिस्टर के मुताबिक बैंक के शेयर-धारियों की एक स्थानीय सभा बूलाने के सबध में भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियमों के विनियम 29 (2) के अधीन जारी 11 फरवरी 1976 के नोटिस के सदर्भ में,

एतद्वारा सूचित किया जाता है

कि भारतीय स्टेट बैंक के बम्बई स्थित स्थानीय बोर्ड की सदस्यता के चुनाव के लिए एक उम्मीदवार के रूप में डा० दासु रामास्वामी के नाम का प्रस्ताव हुआ है और इस नामाकन को मैने वैध स्वीकार किया है। चूंकि केवल उक्त नामाकन ही प्राप्त वैध-नामाकन है, अत भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 40(1) के तहत डा० दासु रामास्वामी को बैरू के स्थानीय बोर्ड का मदस्य पुनर्निर्वाचित भाना जाएगा। शेयरधारियों की 7 अप्रैल, 1976 के लिए प्रस्तावित उक्त स्थानीय सभा अब रद्द कर दी गई है।

वी० एस० नटराजन, मुख्य महाप्रबन्धक

दि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ हिंदिया
नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मार्च 1976

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

स० 1-सी० ए० (60)/73—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1949 (1949 का 38वा) की धारा 30 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए, कौसिल आफ दि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ हिंदिया ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1964 से निम्न-लिखित संशोधन किए, जो पहले ही प्रकाशित और केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किए जा चुके हैं जैसा कि उपर्युक्त धारा की उप-धारा (3) के अन्तर्गत अधेक्षित था।

उपर्युक्त रेगुलेशन की ग्रन्ति सूची 'सी' में निम्नलिखित संशोधन मनेजमेंट एकाउन्टेन्सी की नवम्बर 1976 में होने वाली परीक्षा से लागू होगे—

ग्रुप 1 के प्रश्न-पत्र 1 और 2 के वर्तमान उद्देश्य एवं क्षेत्र पाठ्यक्रम के स्थान पर निम्नलिखित बदल ले—

ग्रुप-1

प्रबन्ध लेखा—प्रश्न-पत्र 1 और 2—उद्देश्य और क्षेत्र

लेखाकार अब केवल वही खाता रखने वाला ही नहीं रह गया है, यद्यपि उसने वित्तीय तथ्यों को अवस्थित एवं विश्लेषणात्मक रूप में रखने का अपना मूल्य कार्य नहीं छोड़ा है, परन्तु यह बहुतायत से माना जाने लगा है कि उसके विशेष प्रशिक्षण का लाभ दिन-प्रातादिन के व्यवसाय की योजना और नियन्त्रण के सचालन में प्रबन्धकों को सहायता प्रदान करने में उठाया जा सकता है। आज के आधुनिक लेखाकार को प्रबन्धकों को इन उद्देश्यों में केवल सहायक के रूप में ही नहीं, अपितु अपने कार्य को महत्वपूर्ण ढंग से करने के लिए पूर्ण रूप में अपने आपको सुमाजजत करना चाहिए ताकि वह प्रबन्ध वर्ग का एक महत्वपूर्ण मदस्य बन सके।

ऐतहासिक आकड़ों का वास्तविक सचालन और आमने-सामने योजनाबद्ध सचालनों में सीमित लाभ ही उठाया जा सकता है, फिर भी, लेखाकार को प्रबन्धकों को वित्तीय विवरणों की जानकारी भी देनी होंगी ताकि वे वास्तविक उपलब्धियों वा सामायक पुनरीक्षण कर सकें, जिससे अतिम लक्ष्य प्राप्त होने हैं और व्यवसाय अस्थायों के सुधार के लिए समय पर ऐसे कारणण पर उठाने हैं, जो प्रबन्धकों के नियन्त्रण में हैं, प्रश्न-पत्र 1 और 2 का उद्देश्य परीक्षार्थियों को प्रबन्धकों अथवा उसके भाग के रूप में आवश्यक सहायता प्रदान करने हेतु अपनी बदली हुई भास्तका के लिए अपने आप को तैयार करना है। लक्ष्य को बनाने और अन्तत इसकी प्राप्त की प्रक्रिया में केवल सैद्धान्तिक ज्ञान ही लाभकारी नहीं हो सकता। इसे प्रभावपूर्ण बनाने के लिए लेखाकार को व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करना होगा। अत पाठ्यक्रम को इस प्रकार रखा गया है ताकि परीक्षार्थी प्रश्न-पत्रों के उत्तर देने में अपने व्यावहारिक अनुभव का पूरा-पूरा उपयोग कर सके।

अत परीक्षा के लिए अभ्यर्थी इस बात को नोट कर ले कि केवल पुस्तक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं। अपने दिन-प्रतिवर्ष के कार्यों के दौरान वे इस बात को ध्यान में रखे कि वित्तीय नियन्त्रण में प्रबन्धकों को प्रदान की गई सहायता से उन्हें जो व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है, योद्दे उसका प्रयोग प्रभावपूर्ण ढंग से किया जाये तो वह इस परीक्षा की तैयारी की सर्वोत्तम गरिमा है, अत व्यावहारिक ज्ञान पर अधिक बल देना चाहिए और इस बात को ध्यान में रखना चाहिए। के सैद्धान्तिक ज्ञान, यद्यपि व्यापक है, किंतु भी व्यावहारिक ज्ञान की कमी को दूर करने में सहायता नहीं हो सकता।

अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे साधारण और संक्षिप्त वित्तीय प्रतिवेदनों को बनाने की पूरी जानकारी प्राप्त करें ताकि प्रबन्धक अन्य दूधरे उपाय उठाने के लिए विचार कर सकें। यद्यपि दो या तीन उपायों के विकल्प देना कठिन है, परन्तु प्रातिवेदन में लेखाकार को ऐसे उपाय सिफारिश करनी चाहए जो सर्वमान्य हो। कोई विशेष विकल्प ही अनिम नहीं हो सकता, प्रत्येक में जोखिम और अनिश्चितता के कुछ न कुछ तत्व अन्तर्निहत होते हैं और लेखाकार की कुशलता इस बात पर निर्भर करनी है कि वह प्रबन्धकों को इकम रूप में परामर्श देता है, ताकि अन्तिम निर्णय लेने में वे इन तत्वों को समझ कर गुण-दोषों पर विचार कर सके।

अभ्यर्थी अर्थपूर्ण वित्तीय चार्ट और तालिकाएं, जो मूल बातों को संक्षेप में दिखा सके और वित्तीय सूचनाओं की विशिष्टताओं को टिप्पणियों और मान्यताओं के रूप में स्पष्ट कर सके, बनाने में योग्य होनी चाहए। परीक्षा भवन के उद्देश्य के लिए, अभ्यर्थी माधारण मान्यताएं बनाने में सक्षम हों, जो उसे गणित संगणनाएं और उत्तर देने में सहायता प्रदान करें। अभ्यर्थी द्वारा दिए गए उत्तरों में उसकी दक्षता प्रकट हो और वास्तविक समस्या को स्पष्ट कर सके। यह परीक्षा अभ्यर्थी की गणित की दक्षता को जाचने के लिए नहीं ली जाती है। अतः उन्हे परामर्श दिया जाता है कि वे अपने कार्य में गणित की पारशुदृता की ओर अनावश्यक ध्यान न दें। याद उन्होंने अपने उत्तरों में मूल संकल्पनाओं को प्रबन्धकों को स्पष्ट रूप में बताया है तो गणित कार्य में मामूली अशुद्धियों के कारण अभ्यर्थी को अयोग्य नहीं माना जाएगा।

प्रबन्धक वे रूप में प्रैंकिट्स करते हुए अभ्यर्थी को जो समस्याएं जाती हैं, अपने उत्तर में उन्हे स्पष्ट करना ही उसकी मूल परीक्षा होगी और साथ ही ऐसी रिपोर्ट देना जिससे कि अनावश्यक लेखा संबंधी शब्दावली से बचा जा सके। अभ्यर्थी को प्रबन्धकों द्वारा निर्णय लेने के कार्य में सहायता देने में अपनी दक्षता दिखानी चाहए। अपने कार्य को अधिक उचित ढंग से करने के लिए, उसे स्वयं को निर्णय लेने वाले के रूप में मानना चाहिए, जो अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों में वित्तीय रिपोर्टों का प्रयोग करते हैं।

प्रश्न-पत्र 1 नमनलिखित में लेखे के कार्यों के विभिन्न पहलुओं से सम्बन्धित है:—

- (1) पूंजी बजट बनाना।
- (2) पूंजी व्यय प्रस्तावों का मूल्य निर्धारण,
- (3) कार्यरत पूंजी अपेक्षाओं और कार्यरत पूंजी कोषों की व्यवस्थाओं का निर्धारण।
- (4) लाभ-परियोजना बनाना और मूल्य-परिमाण-लाभ संबंध का विश्लेषण।
- (5) उच्च प्रबन्ध वित्तीय नीतियां और नियंत्रण।

(6) वित्तीय विवरणों को बनाना और विश्लेषण, तथा

(7) उच्च प्रबन्धकों को वित्तीय आकड़ों का प्रस्तुतीकरण।

प्रश्न-पत्र 2 हेतु पाठ्यक्रम वित्तीय योजना के क्षेत्र, लागत नियंत्रण और प्रातिवेदन करने जिसका सदर्भ बजट और विश्लेषण में अन्तर, प्रतिवेदन कार्य संबंधिक विश्लेषण और सामरिक निर्णय से है, लेखाकार के विशेष कार्यों से संबंधित है, इसमें निश्चित विशेष सेवाएं सम्मिलित हैं, जो प्रबन्धकों के लिए योजना प्रणाली, प्रबन्ध एवं साधनों, आकड़े प्राक्या, वस्तु सूची प्रबन्ध, क्रांतक पथ वास्तविक कार्य विश्लेषण, संचालन अनुसंधान तथा अनुरेख कार्यक्रम बनाना, के क्षेत्र से संबंधित है।

प्रबन्ध लेखा।—प्रश्न-पत्र 1

1. प्रबन्ध एवं लेखा कार्य

प्रबन्ध लेखा-प्रबन्ध परियोजना एवं नियंत्रण—लेखा उत्तरदायित्व—नियंत्रण प्रक्रिया—नियंत्रणकारी संकल्पना—लेखा विश्लेषण और विशेष निर्णय।

2. पूंजी बजट

दीर्घावधि योजना—जोांखम और अनिश्चितता—कराधान संघटन—पूंजी व्यय बजट प्रणाली—पूंजी व्यय बजट बनाना—विभागीय नियंत्रण—मणीनरी हेतु प्रार्थनाओं का मूल्य निर्धारण—व्यय एवं प्रगति पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना—पूंजी व्यय नियंत्रण प्रक्रिया—नियंत्रण के लिए सामरिक विवरण।

3. पूंजी व्यय प्रस्तावों का मूल्य निर्धारण

मूल्य नियंत्रण पूंजी व्यय प्रस्तावों में लाभकारिता निकट—एक प्रस्ताव को पारमाणिक फार्म के रूप में घटाना—प्रस्ताव का मूल्यांकन—योजना लाभ और हानि विवरण पूंजी पर प्रतिलाभ—समय समंजन विधि—बट्टागत नकदी प्रवाह—प्रतिलाभ की आत्मिक दर—अधिक वर्तमान मूल्य विश्लेषण—पुनः अदायगी विधि।

4. कार्यगत पूंजी

कार्यगत पूंजी संघटन—कार्यरत पंजी अपेक्षाओं का अनुमान एवं विश्लेषण—लघु अवधि वित्तीय अपेक्षाएं के लिए साधन—आन्तरिक वित्तपोषण बनाम बाह्य वित्तपोषण—शृण नीतियां और वस्तु सूची प्रणालियां—वस्तु सूची नियंत्रण।

5. लाभ-योजना : लागत आयतन लाभ विश्लेषण

अचल और चर लागत—अंशदायी उपात्त—विच्छेद समविश्लेषण—लागत आयतन लाभ विश्लेषण अनुप्रयोग—अचल लागत की अस्थिरता—चल लागत में परिवर्तन—उत्पादन में पारवर्तन—विक्रय आयतन में वृद्धि। कमी—मूल्य निर्धारण नीतियां—योजना एवं नियंत्रण हेतु विश्लेषण—परकल्पनाएं एवं सीमा निर्धारण।

6. उच्च प्रबन्ध वित्तीय नीतियां एवं नियंत्रण

वित्तीय प्रबन्ध—लाभांश नीति—उपार्जनों का नियोजन—संस्थानिक वित्त प्रोषण—कर एवं मूल्यहास अभिसंधान—कर योजना एवं कर प्रबन्ध—अधिलाभ अश—अधिकार निर्गम—नयून एवं अति पूजीकरण।

7. वित्तीय विवरणों को बनाना एवं विश्लेषण

प्रक्षिप्त लाभ एवं हानि तथा नकदी प्रवाह विवरण—साधनों का विवरण तथा निधियों का अनुप्रयोग—बजट विवरण—लेखे के प्रकाशित विवरणों का विश्लेषण और व्याख्या—अनुपात विश्लेषण—अन्तःफर्म तुलनाएं—प्रबन्ध विश्लेषणों के लिए प्रकाशित अंकों के प्रयोग में परिसीमाएं विलप्ति और एकीकरण।

8. उच्च प्रबन्ध नियंत्रण के लिए वित्तीय आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण

प्रबन्ध सूचना पद्धति एक अच्छी प्रतिवेदन पद्धति के लक्षण—प्रभावित प्रतिवेदन हेतु कस्टी—प्रतिवेदनों का वर्गीकरण—प्रबन्ध के लिए वित्तीय विवरण—चार्ट और ग्राफ—पूजी व्यय प्रस्तावों के मूल्यांकन पर प्रतिवेदन—विशेष निर्णयों के लिए प्रतिवेदन।

प्रबन्ध लेखा—प्रश्न-पत्र 2

1. बजट नियंत्रण—परिचालन

बजट संगठन—बजट संस्थापन—बजट एवं मानक लागत—व्यापक व्यवसाय योजना के अंश रूप में बजट—विक्रय बजट—विक्रय पूर्वानुमान—उत्पादन बजट—प्रत्यक्ष सामग्री बजट—प्रत्यक्ष श्रम बजट—उद्धर्वस्थ बजट निर्माण—वस्तुसूची बजट—बेची गई वस्तुओं का मूल्य बजट—विक्रय एवं प्रशासन व्यय बजट—मूल बजट।

2. प्रसरण विश्लेषणों के माध्यम से लागत नियंत्रण

अचल एवं लचीला बजट—लचीले बजट का विकास—लागत व्यवहार अध्ययन—लचीला बजट बनाना—अचल एवं अस्थिर लागत—सामग्री एवं श्रम—विभागीय लचीला बजट—लागत का प्रारम्भिक आवंटन—सेवा विभागीय लाभ का द्वितीयक आवंटन—विभागीय उद्धर्वस्थ वसूली दरें—सेवा विभागों की लागत का नियंत्रण—प्रसरण विश्लेषण—लागत नियंत्रण विश्लेषण—आयतन प्रसरण—लचीले बजट की सीमाएं—मानक लागत पद्धतियां—मानक स्थापित करना—सामग्री मानक—सामग्री मूल्य एवं मात्रा प्रसरण—श्रम दर मानक-श्रमावधि अथवा मानक दक्षता—श्रम दर तथा दक्षता प्रसरण—उद्धर्वस्थ मानक—सामान्य क्षमता तथा मानक उत्पादन लागत—उद्धर्वस्थ प्रसरण विश्लेषण—आयतन प्रसरण तथा उत्तरदायित्व।

3. निष्पादन प्रतिवेदन

प्रसरण विश्लेषण और निष्पादन प्रतिवेदन—प्रतिवेदन अवधि—प्रतिवेदन के स्तर—उच्च प्रबन्धकों को प्रतिवेदन—श्रमालय तल परिवीक्षकों और उत्पादन प्रबन्धकों के लिए प्रतिवेदन—अपवाद मूलधन—भौतिक इकाइयों में प्रतिवेदन—निष्पादन प्रतिवेदन तथा लागत नियंत्रण योग्यता की परिसीमाएं।

4. संवृद्धि विश्लेषण—सामरिक निर्णय

सीमांत लागत—अवकल लागत—सम्बद्ध लागत—संवर्धक लागत—संवर्धक विश्लेषण—विकल्प त्याग—गत एवं वर्तमान लागत—उत्पादन विश्लेषण एवं विशेष निर्णय—विक्रय मिश्रण में परिवर्तन—एक नवीन उत्पादन परिवर्धन—उत्पादन पतन—मूल्य निर्णय—मापक्रम की किफायतें उपर्युक्त क्षमता का संचालक—निर्णय लेना और खीदना—अस्थायी संयंत्र कामबन्दी—संयंत्र परिवारग।

5. विशेष सेवाएं

पद्धति योजना—संगठन एवं प्रणालियां—परिचालित एवं प्रबन्धकीय लेखा परीक्षण—आकड़े प्रक्रिया कार्य-संगमक एवं निर्णय लेना—वस्तु सूची प्रबन्ध एवं नियंत्रण—उत्पादनों का मिश्रण एवं सम्मिश्रण—मूल्य विश्लेषण का ऋांतिक पथ पद्धति—संचालन अनुसंधान—अनुरेख कार्यक्रम—मोंटी कार्लो अनुरूपता—पंक्ति सिद्धान्त—संभावना एवं अनिश्चितता।

दिनांक 8 अप्रैल 1976

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० १-सी० ए० (95)/75—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऐकट, 1949 (1949 का 38वां) की धारा 30 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए काउंसिल आफ दि हस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ हिंडिया ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1964 में निम्नलिखित संशोधन किये जो पहले ही प्राकाशित और केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किये जा चुके हैं। जैसा कि उपर्युक्त धारा की उप-धारा (3) के अन्तर्गत अपेक्षित था :—

उपर्युक्त रेगुलेशन मे :—

I. रेगुलेशन 65 के अन्त मे निम्नलिखित नये उप-रेगुलेशन जोड़ लें :—

“(3) नामांकन के साथ एक विवरण भेजना होगा जिस पर अभ्यर्थी को हस्ताक्षर करते होंगे और उसे प्रमाणित करना होगा जिसमें निम्नांकित मामलों

में अभ्यर्थी के सम्बन्ध में सूचना होगी। नामांकन के साथ इस प्रकार की सूचना न होने पर वह वैध नहीं होगा :—

(ए) नाम, सदस्यता संख्या और पता

(बी) आयु

(सी) शैक्षिक योग्यताएं (डिप्लोमा और डिप्लियां जो सरकार और मान्य व्यावसायिक संगठनों द्वारा मान्य हों।

(दी) एसोसियेट हैं अथवा फैलो।

(ई) इनरोलमेंट का वर्ष :

एसोसियेट के रूप में
फैलो के रूप में।”

“(4) उपर्युक्त उप-रेगुलेशन (3) में उल्लिखित विवरण के अलावा अभ्यर्थी की हच्छा पर अभ्यर्थी के सम्बन्ध में निम्न मामलों में सूचना दी जा सकती है :—

(ए) पाम्पर्ट साइज का नवीनतम फोटोग्राफ़;

(बी) मान्य विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं और इस इन्स्टीट्यूट द्वारा आयोजित परीक्षाओं में प्राप्त योग्यता पुरस्कार;

(सी) व्यवसाय का विवरण—

(i) रोजगार (नियोक्ता का नाम पद सहित)

(ii) प्रैक्टिस (एकमात्र मालिक और भागी-दार फर्म के नाम सहित)

(iii) अन्य किसी कार्य का विवरण जो उपर्युक्त (i) और (ii) में न हो

(डी) अन्य विवरण—

(i) केन्द्रीय कौसिल, क्षेत्रीय कौसिलें और अंतर्राज्य कौसिलों की शाखाओं की प्रबन्धकीय समितियां जिसमें केन्द्रीय कौसिल के मामले में अध्यक्ष और/अथवा उपाध्यक्ष का कार्य और क्षेत्रीय कौसिलों और/अथवा क्षेत्रीय कौसिलों की शाखाओं के मामले में चेयरमैन, वायस चेयरमैन, सचिव और/अथवा ट्रोजरर कार्य में विगत और वर्तमान सदस्यता

(ii) इन्स्टीट्यूट की स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन अथवा उसकी शाखाओं की प्रबन्धकीय समितियों के मामले में वायस-चेयरमैन सेक्रेटरी और अथवा मैनेजर के पद पर कार्य

(iii) नामांकन की तिथि से पूर्व पांच वर्ष की अवधि में व्यावसायिक सेमिनारों और कान्फ्रेंसों में योगदान

(iv) व्यावसायिक नाभ में विषय पर पुस्तकों का कर्तृत्व

(v) नामांकन की तिथि से पूर्व पांच वर्षों की अवधि में उपर्युक्त (iii) और (iv) में न दिये गये व्यावसायिक विषयों पर लिखे लेख

(vi) राष्ट्रीय और राज्यों द्वारा प्रदत्त पुरस्कार

(vii) मान्य विश्वविद्यालयों में प्राप्त शैक्षिक स्थितियां।”

II. रेगुलेशन 70 के अन्त में निम्नलिखित उप-रेगुलेशन जोड़ लें :—

“(3) जैमा कि रेगुलेशन 65 के उप-रेगुलेशन (3) में अपेक्षित है सूची के साथ अभ्यर्थी के सम्बन्ध में निम्नांकित विवरण होना चाहिए :—

(ए) नाम, सदस्यता संख्या और पता

(बी) आयु

(सी) शैक्षिक योग्यताएं, डिप्लोमा और डिप्लियां जो सरकार और मान्य व्यावसायिक संगठनों द्वारा मान्य हों।

(दी) एसोसियेट हैं अथवा फैलो।

(ई) इनरोलमेंट का वर्ष :

एसोसिएट के रूप में
फैलो के रूप में।”

“(4) रेगुलेशन 65 के उप-रेगुलेशन (4) के अधीन अभ्यर्थियों द्वारा यदि दी हों तो उसी सीमा तक अभ्यर्थियों के मामले में सूची में निम्नलिखित विवरण भी दिया जा सकता है :—

(ए) पाम्पर्ट आकार का नवीनतम फोटोग्राफ़

(बी) मान्य विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं और इन्स्टीट्यूट द्वारा आयोजित परीक्षाओं में प्राप्त योग्यता पुरस्कार;

(सी) कार्य का विवरण—

(i) रोजगार नियोक्ता का नाम पद सहित)

(ii) प्रैक्टिस (एक माल भागीदार अथवा फर्म के नाम सहित)

(iii) अन्य किसी कार्य का विवरण जो उपर्युक्त (1) और (ii) में न आया हो

(डी) अन्य विवरण :—

(i) केन्द्रीय काउंसिल, भेदीय कौसिलों और भेदीय कौसिलों की शाखाओं की प्रबन्धकीय समितियां जिसमें केन्द्रीय कौसिल के मामले में अध्यक्ष और/अथवा उपाध्यक्ष का कार्य और भेदीय कौसिलों और/अथवा भेदीय कौसिलों की शाखाओं के मामले में चेयरमैन; वायस चेयरमैन, सचिव और/अथवा ट्रेजरर के कार्य सहित की विगत और वर्तमान सदस्यता

() इन्स्टीट्यूट की स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन अथवा उसकी शाखाओं की प्रबन्धकीय समितियों के मामले में वायस-चेयरमैन, सचिव और अथवा मैनेजर के पद पर कार्य

(iii) नामांकन की तिथि से पूर्व पांच वर्ष की अवधि में व्यावसायिक सेमिनारों और कानफेन्सों में योगदान

(iv) व्यावसायिक लाभ के विषय पर पुस्तकों का कर्तृत्व

(v) नामांकन की तिथि से पूर्व पांच वर्षों की अवधि में उपर्युक्त (iii) और (iv) में यदि न दिये हों, व्यावसायिक विषयों पर लिखे लेख

(vi) राष्ट्रीय और राज्यों द्वारा प्रदत्त पुरस्कार

(vii) मान्य विश्वविद्यालयों में प्राप्त शैक्षिक स्थितियां”

“(5) उपर्युक्त उप-रेगुलेशन (3) और (4) के अधीन सूची में दिये गये विवरण को संकलित करते समय सचिव—(ए) रेगुलेशन 65 के उप-रेगुलेशन (3) और उप-रेगुलेशन (4) में प्रस्तुत विवरण का लाभ उठा लेगा, (बी) अभ्यर्थी द्वारा दिये गये उपर्युक्त विवरण में से कोई सूचना सम्मिलित नहीं करेगा चाहे वह दी हो अथवा नहीं, जब तक कि वह उसी सीमा तक उपर्युक्त उप-रेगुलेशन (3) और (4) की आवश्यकताओं के अनुसार न हो, और (सी) किसी भी प्रत्यक्ष अशुद्धि को ठीक कर देगा, जो उसकी सूचना में आती है।”

“(6) उपर्युक्त मतदाता सूची के साथ आने वाले विवरणों में यह स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि इनका संकलन रेगुलेशन 65 के उप-रेगुलेशन (3) और (4) के अधीन अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत विवरण के आधार पर किया गया है और उपर्युक्त विवरणों में अंतर के लिए किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी माननीय नहीं होगी।”

III. वर्तमान रेगुलेशन 103 ए के लिए, निम्नांकित बदल लें :—

“103. चुनाव कराने के संबंध में सदस्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही।

ए. कौसिल द्वारा किसी भी सदस्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकेगी, यदि वह कौसिल के लिये चुनाव के सम्बन्ध में निम्नलिखित कार्य-कलापों में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से अथवा स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से भाग लेता हुआ पाया जाता है :—

- (1) घोषणा-पत्र अथवा परिपत्रों को जारी करना;
- (2) मत के लिए पथ प्रचार करना, प्रत्यक्ष रूप में अथवा मतदाताओं के व्यापार के स्थानों अथवा घरों पर जाना अथवा व्यक्तिगत अथवा अन्य किसी भी रूप में पत्र भेजना और
- (3) मतदाताओं के स्वागतार्थ पार्टियां आयोजित करना।

स्पष्टीकरण : संदेहों के निवारण के लिए एतद्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि रेगुलेशन 65 के उप-रेगुलेशन

(3) और (4) के अधीन नामांकन पत्र के माध्यम से प्रस्तुत सूचना अथवा प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करने के सम्बन्ध में जिसके कि सचिव रेगुलेशन 70 के अनुसरण में जानकारी भेज सके, इस रेगुलेशन के अधीन किसी भी सदस्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं की जा सकती।

IV. रेगुलेशन 112 के अन्त में निम्नांकित उप-रेगुलेशन जोड़ लें :—

“(v) रेगुलेशन 103 की उप-व्यवस्थाएँ भेदीय कौसिलों के चुनाव में भी उसी भांति और उसी सीमा तक लागू होंगी जिस प्रकार कि केन्द्रीय कौसिल के चुनाव में।”

V. अनुसूची 'ए' के फार्म 26 में, अभ्यर्थी की घोषणा के प्रथम पैराग्राफ के बाद और नामांकन शुल्क से संबंधित पैराग्राफ से पहले, निम्नांकित बड़ा लें :—

“मैं चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एफट, 1949 और चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1964 के चुनाव मम्बन्धी मध्ये उप-व्यवस्थाओं का पालन करूँगा।

रेगुलेशन 65 के उप-रेगुलेशन (3) के अनुसरण में विवरण यहां संलग्न है।”

VI. अनुसूची 'ए' के फार्म 26 के बाद, उसके लिए निम्नांकित परिणाष्ट बड़ा लें :—

“रेगुलेशन 65 (3)/65 (4) के अनुसरण में विवरण मैं, _____

नीचे अपने सम्बन्ध में विवरण देता हूँ।

(ए) नाम, सदस्यता और पता

(बी) आयु

(सी) शैक्षिक योग्यताएँ (डिप्लोमा और डिप्लियां जो सरकार और अन्य व्यावसायिक मण्डलों के द्वारा मान्य हैं) ।

(डी) एमोमियेट अथवा फैलो हैं—

(ई) इनरोलमेन्ट का वर्ष—

—एमोमियेट के रूप में

—फैलो के रूप में

*मैं अपने सम्बन्ध में निम्नांकित अतिरिक्त विवरण भी देता हूँ—

(ग) पासपोर्ट ग्राकार का नवीनतम फोटोग्राफ

(बी) मान्य विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं और इन्स्टीट्यूट द्वारा आयोजित परीक्षाओं में प्राप्त योग्यता पुरस्कार

(सी) कार्य का विवरण :—

1. रोजगार (नियोक्ता का नाम पद सहित)

2. प्रैक्टिस (एक मात्र मासिक अथवा भागी-दार, फर्म के नाम सहित)

3. अन्य किसी कार्य का विवरण, जो उपर्युक्त (1) और (2) में न आये हैं।

(झी) अन्य विवरण—

(1) केन्द्रीय कौसिल, क्षेत्रीय कौसिल और क्षेत्रीय कौमिलों की शाखाओं की प्रबन्धक समितियां, जिसमें केन्द्रीय कौसिल के मामले में अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष का कार्य और क्षेत्रीय कौसिलों द्वारा/अथवा क्षेत्रीय कौसिलों की शाखाओं के मामले में चेयरमैन, वायस चेयरमैन, मन्त्रिक और/अथवा कोषाध्यक्ष के कार्य की विगत और वर्तमान सदस्यता ;

(2) इन्स्टीट्यूट की स्टूडेंट्स एसोसिएशन अथवा उमकी शाखाओं की प्रबन्धकीय समितियों के मामले में वायस चेयरमैन, सेक्रेटरी और/अथवा ट्रेजरर के पद पर कार्य ;

(3) नामांकन की तिथि से पूर्व पाच घण्टे की अवधि में व्यावसायिक सेमिनारों और कान्फ्रेन्सों में योगदान ;

(4) अधावसायिक ताभ के विषय पर पृष्ठाओं ।।। नोट—

(5) नामांकन की तिथि से पूर्व पाच घण्टे की अवधि में उपर्युक्त (3) और (4) में वर्द्धन दिये हों व्यावसायिक विषयों पर लिखे लेख,

(6) राष्ट्रीय और राज्य द्वारा प्रदन पुरस्कार,

(7) मान्य विविदारणों में प्राप्त शैक्षिक अवधियां।

स्थान :

तिथि :

अध्यर्थी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं, —————— एसद्वारा यह घोषित करता हूँ कि उपर्युक्त दी गई सूचना मेरी जानकारी और विस्वास के अनुसार सही है :—

स्थान :

तिथि :

अध्यर्थी के हस्ताक्षर

*अध्यर्थी अपनी हच्छानुसार सभी अध्यवा कोई विवरण प्रस्तुत कर सकता है।"

पी० एस० गोपालकृष्णन
सचिव

मंचार मन्त्रालय

(आकृतार बोर्ड)

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 अप्रैल, 1976

सूचना

मं० 25/23/76-एस० आर०—श्री ए० के० विस्वास की क्रमांक ए-2832, दिनांक 4-11-1960 वी 5000 हजार की डाक जीवन बीमा पालिसी विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसी का भुगतान रोक दिया गया है। उपनिदेशक, डाव-जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमेदार के नाम पालिसी की दूसरी प्रति जारी करने के अधिकार दे दिए गए हैं। जनता को चेतावनी दी जाती है कि मूल पालिसी के संबंध में कोई सेन-देन न करें।

र० ना० ड०

निदेशक (आकृतार बीमा)

दी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 मार्च, 1976

(कास्ट एकाउन्टेन्ट्स)

स० सी० डब्ल्यू० आर० (1)/76—दी कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 में दी कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1059 की द्वारा 39 की उप-धारा (1) और (3) (1959 के अधिनियम मात्रा 23) के द्वारा दिये गये अंत-

कारों का प्रयोग करते हुए कुछ संशोधनों का निम्न प्रारूप सभी लोगों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है। इससे प्रभावित सभी लोगों को सूचना दी जाती है कि प्रारूप पर 30 अप्रैल, 1976 या उसके बाद विचार किया जायेगा।

दी इन्स्टीट्यूशन आफ कार्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेंट्स आफ इन्डिया के परिषद् के द्वारा उपरोक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से किसी प्रकार की आपत्ति, राय निश्चित दिनांक से पहले प्राप्त होगी तो उस पर विचार किया जायेगा।

कहे हुए रेग्युलेशन्स मे :

रेग्युलेशन 17 मे वर्तमान नियम के बाद निम्न और भी नियम जोड़ा जाता है यथा :

किसी व्यक्ति के नाम को पुनर्स्थापित करने के सम्बन्ध मे जो धारा 20 के उपधारा (1) या उपधारा (2) के द्वारा हाटा दिया गया था, यह उस दिन से ही केवल फलोत्पादक माना जायेगा जिस दिन से उस व्यक्ति का नाम वास्तविक रूप से पुनर्स्थापित किया गया हो और वह अवधि जिसके बीच उसका नाम

RESERVE BANK OF INDIA
AGRICULTURAL CREDIT DEPARTMENT
CENTRAL OFFICE

Bombay-400 018, the 3rd April 1976

No. ACD. 39/A. 18-75/6.—In pursuance of sub-section (2) of section 36A read with clause (za) of section 56 of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that the following co-operative banks have ceased to be co-operative banks within the meaning of the said Act :—

Sr. No. Name of the primary co-operative bank & State/Union Territory

- State Bank of India Staff Co-operative Credit Society Ltd. State Bank of India Buildings, Bank Street P.B. No. 125, Hyderabad-1—Andhra Pradesh.
- New India Industries Employees' Co-operative Credit Society Ltd. Jetalpur Road, Baroda, District Baroda—Gujarat.
- Bhavnagar Port Nokariyat Sahakari Shakhwali Mandli Ltd., Port Office, Bander Road, Bhavnagar, District Bhavnagar—Gujarat.
- The Ernakulam District Posts and Telegraphs Employees' Co-operative Society Ltd., No. E. 85 Franakulam, District Ernakulam—Kerala.
- The Posts and Telegraphs Employees' Co-operative Society Ltd., No. 1940, New Post Master General's Office Trivandrum-1, District Trivandrum—Kerala.
- S.C.M.E.'s Employees Co-operative Credit Society Ltd., Poona 194, Rastha Peth, Poona-2—Maharashtra.
- Calcutta Mint Co-operative Credit Society Ltd., Mint House, Alipore, Calcutta-53—West Bengal.
- Gillanders' Co-operative Credit Society Ltd., Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1,—West Bengal.
- G.E.C. Staff Self Help Co-operative Credit Society Ltd., 6, Central Avenue, Calcutta-13,—West Bengal.
- Insurance Employees' Co-operative Credit Society Ltd., Jalpaiguri, Jeewan Prakash Building, Post Office and District Jalpaiguri—West Bengal.

हटाया गया हो किसी उद्देश्य के लिए नहीं लिया जायेगा।

उपर के संशोधनों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी

निम्नांकित व्याख्यात्मक टिप्पणी अधिसूचना सूच्या सं० उक्त्यू आर० (1)/76 दिनांक 4 मार्च 1976 मे प्रस्तावित संशोधनों पर है। इस टिप्पणी का उद्देश्य संशोधनों मे निहित अभिप्राय को परिषद् द्वारा स्पष्ट करना है और इन संशोधनों के क्षेत्र मे किसी प्रकार का प्रतिबन्ध या विरतार दरका नहीं है।

कास्ट एन्ड वर्स एकाउन्टेंट्स अधिनियम की धारा 20 के द्वारा जब किसी सदस्य का नाम सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाता है तो यह स्पष्ट है कि उसकी सदस्यता मे अवरोध हो जाता है, प्रीर यद्यपि नामको पश्चाद्दर्ती रजिस्टर मे पुनर्स्थापित किया जाता है फिर भी अवरोध ठीक नहीं होता है। प्रस्तावित दूसरे नियम का अधिनियम मे परिवर्धन सदेह को दूर कर ऊपर की स्थिति को स्पष्ट करता है।

एस० एन० घोष, सचिव

11. Kilburn Employees' Co-operative Credit Society Ltd., 2, Fairlie Place, Calcutta-1,—West Bengal.
12. Union Co-operative Credit Society of Calcutta Ltd., C/o, Bird & Co., Chartered Bank Building, 1/1 Netaji Subhas Road, Calcutta-1—West Bengal.
13. Bengal Secretary Co-operative Society Ltd., Writers' Buildings, Calcutta-1—West Bengal.

K. SUBBA REDDY
Joint Chief Officer

ERRATA

Reserve Bank of India (Note Refund) Rules, 1975 notified in the Gazette of India issue of the 23rd August 1975—Part III—Section 4.

Page No.	Rule No.	English version Corrections
1. 1594	—	Delete comma after the word 'Note' in the heading in italics.
2. 1594	2(e)	Correct the word 'continuous' to read as 'contiguous'.
3. 1595	3(I)	In the second line, after the word 'office' insert the word 'or'.
4. 1595	8(I) (iii)	The words "is fled" appearing in the last two lines are superfluous and may be deleted.
5. 1595	8(2)	In the penultimate line, correct the word "office" to read as "officer".
6. 1596	9(I) (d)	In the first line, the word 'on' may be corrected to read as 'or'.
7. 1596	9(2) (b) (ii)	In the fourth line, the word "signature" may be corrected to read as "signatures".
8. 1596	9(2) (c)	In the fifth line the word 'sub-clause' may be corrected to read as 'sub-clauses'.

9. 1596	9(2) (c)	In the sixth line the words "clause (iv)" may be corrected to read as "clause (b)".
10. 1596	9(2) (d)	In the first line the last word "which" is superfluous and may be deleted.
11. 1596	11	In the heading in italics, the word "note" may be corrected to read as "notes".
12. 1597	13(4)	In the second line, the word 'counter-claimed' may be corrected to read as "counter-claim".
13. 1598	18	In the third line, the word 'not' may be corrected to read as 'note'.
14. 1598	21(2)	In the last line, the words "the Bank" may be corrected to read as "authority".

Major Correction

15. Rule 5(2) and Rule 9(2) may be notified again as corrected and indicated in the enclosed copy of the Gazette Notification as the words appearing at the end cover all the preceding sub-clauses and not the last sub-clause alone.

STATE BANK OF INDIA
Bombay, the 25th March 1976
NOTICE

With reference to the Notice of the 11th February 1976 issued in terms of Regulation 29(2) of the State Bank of India General Regulations regarding the holding of a Local Meeting of the shareholders of the State Bank of India on the Branch Register of shareholders at the Bombay Local Head Office of the Bank for the sole purpose of electing a person to be a Member of the Local Board at Bombay in pursuance of Section 21(1) (d) of the State Bank of India Act, 1955, in place of Dr. Dasu Ramaswami, a Member of the Local Board, whose term of office will expire on the 10th April 1976, NOTICE IS HEREBY GIVEN that I have accepted as valid the nomination proposing the name of Dr. Dasu Ramaswami, as a candidate for election as a Member of the Local Board of the State Bank of India at Bombay. The said nomination being the only valid nomination received, Dr. Dasu Ramaswami shall be deemed to be re-elected a Member of the Local Board of the Bank in terms of Regulation 40(1) of the State Bank of India General Regulations, 1955. The said Local Meeting of the shareholders proposed to be held on the 7th April 1976 now stands cancelled.

V. S. NATARAJAN,
Chief General Manager

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110001, the 31st March 1976

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 1-CA(60)/73.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, (XXXVIII) of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section.

In Schedule 'C' to the said Regulations, the following amendments shall take effect from the Management Accountancy Examination to be held in November, 1976:—

For the existing Objectives & Scope and syllabus of Papers 1 and 2 of Group I, substitute the following:—

Group I

Management Accounting—Papers 1 & 2—Objectives & Scope

The Accountant has now ceased to be a mere book-keeper. Although he has not forsaken his prime task of recording financial facts in a systematic and analytical manner, it is in-

creasingly recognized that his specialised training can be utilised to advantage to assist management in planning and controlling the day-to-day business operations. The modern day accountant has to be well equipped to play his role, effectively not only to assist management in these tasks but to be an important member of the Management team.

Historical figures have limited utility in keeping track over actual operations, vis-a-vis planned operations. However, the accountant has also to feed management with financial statements which will enable the latter to periodically review actual achievements with reference to ultimate goals and to take timely remedial action to rectify business situations in so far as such factors lie within the orbit of management control. The purpose of papers 1 & 2 is to enable the examinees to prepare himself for his changing role as an important aid to the management team or as part of it. This objective cannot be achieved by mere theoretical knowledge of the processes involved in setting the goals and in obtaining their ultimate fulfilment. The accountant has to acquire practical experience to be more effective. The syllabus is therefore so devised that the examinees will have full scope to bring into play their practical experience in answering the questions.

Candidates for the examination would therefore note that book knowledge by itself will not be adequate. In the course of their day-to-day tasks they should bear in mind that the practical experience gained in assisting management in financial control, if effectively utilised, will be the best guarantee for their preparedness for this examination. The emphasis is therefore, on practical experience and it must be realised that theoretical knowledge, however extensive, would not be adequate substitute for lack of practical experience.

Candidates are required to equip themselves well to prepare simple and concise financial reports which will enable management to visualise the alternative courses open to them. Where the choice is limited to say two or three alternatives, the report should be able to bring out the recommendations of the accountant regarding the most acceptable alternative. There is no finality about the choice of any particular alternative course—each would have certain inherent elements of risk and uncertainty and the accountant's skill lies in the manner in which he can guide the management in understanding and appreciating these factors in making the final choice.

Candidates should be able to prepare meaningful financial charts and tables to summarise the basic facts and to highlight the salient features of the financial information in the form of suitable notes and assumptions. For examination hall purposes, the candidates should be able to make simple assumptions which would help to minimise arithmetical computations and simplify their answers. The answers must bring out the candidate's ability to identify the real problem. This examination does not purport to be a test of the arithmetical ability of candidates. They would therefore be well advised not to pay undue attention to arithmetical accuracy of their working. If the basic concepts of reporting to management are clearly brought out in their answers, minor inaccuracies in arithmetical working would not be a factor in evaluating the candidate's merit.

The basic test would be the candidate's ability to display in his answers his awareness of the problems faced by practising managers, and to present reports which would avoid unnecessary accounting jargon. The candidate should be able to display his skill in assisting management in its decision-making task. To play his role more effectively, he should also visualise himself in the role of the decision-maker who has to make use of financial reports in his day to day functions.

Paper 1 deals with the various aspects of the accountant's functions in :

- (1) Preparation of capital budgets .
- (2) appraisal of capital expenditure proposals
- (3) assessment of working capital requirements and management of working capital funds
- (4) Profit planning and analysis of cost-volume-profit relationships
- (5) top management financial policies and control
- (6) preparation and analysis of financial statements, and
- (7) presenting financial data to top management.

The syllabus for paper 2 deals with the accountant's specific functions in areas of financial planning, cost control and reporting with reference to budgets and variance analysis, performance reporting, incremental analysis and tactical decisions. It also includes certain specialised services to management in areas of systems planning, organisation and methods, data processing, inventory management, critical path network analysis, operations research and linear programming.

Management Accounting—Paper 1

1. Management & Accounting Functions

Managerial accounting—Managerial planning and control—Responsibility accounting—The control process—The concept of controllership—Accounting analysis and special decisions.

2. Capital Budget

Long range planning—Risk and uncertainty—Impact of taxation—Capital expenditure budgeting procedures—Preparation of Capital expenditure budgets—Departmental allocations—Machinery for appraisal of requests—Reporting on spending and progress—Process of Capital expenditure control—periodical statements for control.

3. Appraisal of Capital Expenditure Proposals

The criterion of profitability in evaluating capital expenditure proposals—Reducing & proposal to quantitative form—Evaluating the proposal—Projected profit and loss statements—Return on capital—Time adjusted methods—Discounted Cash Flow—Internal rate of return—Excess present value analysis—Pay-back method.

4. Working Capital

The concept of working capital—Estimating and analysing working capital requirements—Sources for financing short-term requirements—Internal financing x/s external financing—Credit policies & collection systems—Inventory control.

5. Profit Planning : Cost-Volume-Profit Analysis

Fixed and variable costs—The contributory margin—Break even analysis—Applications of cost-volume-profit analysis—Variability of fixed costs—Changes in variable costs—Changes in product-mix—Increase/reduction in sales volume—Pricing Policies—Analysis for planning and control—Assumptions and limitations.

6. Top Management Financial Policies & Control

Financial management—Dividend policy—Plough back of earnings—Institutional financing—Tax, and depreciation consideration—Tax Planning and tax management—Bonus shares—Rights issues—Under and over capitalisation.

7. Preparation & Analysis of Financial Statements

Projected profit and loss and cash flow statements—Statement of sources & application of funds—Budget statements—Analysis & Interpretation of published statements of accounts—Ratio analysis—Inter-firm comparisons—Limitations in using published figures for managerial analysis—mergers and amalgamations.

8. Presenting Financial Data for Top Management Control

Management information system—Features of a good reporting system—Criteria for effective reporting—Classification of reports—Financial statements for management—Graphs and charts—Reports on evaluation of capital expenditure proposals—Reports for special decisions.

Management Accounting—Paper 2

1. Budgetary Control—Operations

Budgetary organisation—Budgetary installation—Budgets and standard costs—The budget as part of the overall business plan—Sales budget—Sales forecast—Production budget—Direct materials budget, Direct labour budget—Manufacturing overhead budget—Inventory budget—Cost of goods sold budget—Selling and administrative expenses budget—Master budget.

2. Cost Control Through Variance Analysis

Fixed and flexible budgets—Development of flexible budgets—Cost behaviour studies—Preparation of flexible budgets—Fixed and variable costs—Materials and labour—Departmental flexible budgets—Primary allocation of costs—Secondary allocation of service departments' costs—Departmental overhead recovery rates—Control of costs of service depart-

ments—Variance analysis—Analysis for cost control—Volume variances—Limitations of flexible budgets—Standard cost systems—setting standards—material Standards—Material price and quantity variance—Labour rate standards—Labour time or efficiency standards—Labour rate and efficiency variances—Overhead standards—Normal capacity and standard product cost—Variance analysis of overheads—Volume variance and responsibility.

3. Performance Reporting

Variance analysis and performance reports—Reporting periods—Levels of reporting—Reporting to top management—Reports for shop floor supervisors and production managers—Principle of exception—Reports in physical units—Limitations of performance reporting and cost controllability.

4. Incremental Analysis—Tactical Decisions

Marginal cost—Differential cost—Relevant costs—Incremental cost—Incremental analysis—Opportunity cost—Past and sunk costs—Product analysis and special decisions—Changes in sales mix—Adding a new product—Dropping a product—Pricing decisions—Economics of scale—Operating above capacity—Make or buy decisions—Temporary plant shutdown—Plant abandonment.

5. Specialised Services

Systems planning—Organisation and methods—Operational and management audit—The data processing function—Computers and decision making—Inventory management and control—Blend and mix of products—Critical path method of cost analysis—Operations research—Linear programming—Monte Carlo simulation—Queuing theory—Probability and uncertainty.

The 8th April 1976

CHARTERED ACCOUNTANT

No. I-CA(95)/75.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said section

In the said Regulations :—

I. In Regulation 65, add the following new sub-regulations at the end :—

"(3) The nomination shall be accompanied by a statement signed and verified by the candidate containing information concerning the candidate in respect of the following matters and shall not be valid unless it is so accompanied :—

- (a) Name, membership No. and address
- (b) Age
- (c) Academic qualifications (diplomas and degrees recognised by Government and membership of recognised professional bodies).
- (d) Whether associate or fellow
- (e) year of enrolment—as an associate—as a fellow."

"(4) The statement referred to in sub-regulation (3) above may also contain, at the option of the candidate, information concerning the candidate in respect of the following matters :—

- (a) Passport size recent photograph
- (b) Merit awards in the examinations of recognised universities and the examinations conducted by the Institute
- (c) Particulars of occupation—
 - (i) employment (name of employer with designation),
 - (ii) practice (sole proprietor or in partnership including the name of the firm),
 - (iii) particulars of other occupation, if not covered by (i) and (ii) above,

(d) other particulars—

- (i) past and present membership of Central Council, Regional Councils and Managing Committees of branches of Regional Councils, including office of President and/or Vice-President in the case of Central Council and office of Chairman, Vice-Chairman, Secretary and/or Treasurer in the case of Regional Councils and/or branches of Regional Councils,
- (ii) office held as Vice-Chairman, Secretary and/or Treasurer in the case of the Managing Committee of a Students' Association of the Institute or its branch/es.
- iii) particulars of other occupation, if not covered in (i) and (ii) above, and of conferences during a period of five years before the date of nomination,
- iv) authorship of books on subjects of professional interest,
- (v) authorship of articles on professional subjects not covered by (iii) and (iv) above during a period of five years before the date of nomination,
- vi) grant of National and State awards,
- vii) academic positions held in recognised universities."

II. In regulation 70, add the following sub-regulations at the end :—

"(3) The list shall be accompanied by the following particulars concerning the candidates as required under sub-regulation (3) of Regulation 65 :—

(a) Name, membership No. and address;

(b) Age

(c) Academic qualifications (diplomas and degrees recognised by Government and membership of recognised professional bodies)

(d) Whether associate or fellow

(e) Year of enrolment—as an associate—as a fellow.”

(4) The list shall also be accompanied by the following particulars concerning the candidates, if and to the extent implied by the candidates under sub-regulation (4) of regulation 65 :—

(a) Passport size recent photograph,

(b) Merit awards in the examinations of recognised universities and the examinations conducted by the Institute,

(c) Particulars of occupation—

- (i) employment (name of employer with designation),
- (ii) practice (sole proprietor or in partnership including the name of the firm),
- (iii) particulars of other occupation, if not covered by (i) and (ii) above.

(d) other particulars—

- (i) past and present membership of Central Council, Regional Councils and Managing Committees of branches of Regional Councils, including office of the President and/or Vice-President in the case of Central Council and office of Chairman, Vice-Chairman, Secretary and/or Treasurer in the case of Regional Councils and/or branches of Regional Councils.
- (ii) office held as Vice-Chairman, Secretary and/or Treasurer in the case of the Managing Committee of a Students' Association of the Institute or its branch/es,
- (iii) contributions in professional seminars and conferences during a period of five years before the date of nomination.

- (iv) authorship of books on subjects of professional interest,
- (v) authorship of articles on professional subjects not covered by (iii) and (iv) above during a period of five years before the date of nomination,
- (vi) grant of National and State awards.
- (vii) academic positions held in recognised universities."

"(5) In compiling the particulars required to accompany the list under sub-regulations (3) and (4) hereof, the Secretary shall—

- (a) make use of the particulars furnished by the candidates under sub-regulation (3) and sub-regulation (4) of Regulation 65;
- (b) not include anything, whether or not contained in the particulars furnished by the candidates as aforesaid, except to the extent the particulars strictly accord with the requirements of sub-regulations (3) and (4) hereof; and
- (c) correct any manifest errors that may have come to his notice."

"(6) The particulars required to accompany the list of nomination as aforesaid shall prominently indicate that they are compiled on the basis of the particulars furnished by the candidates under sub-regulations (3) and (4) of Regulation 65 and that no responsibility is accepted as to the veracity of the said particulars."

III. For the existing regulation 103A, substitute the following:—

“103. Disciplinary action against member in connection with conduct of election

A. A member shall be liable to disciplinary action by the Council, if, in connection with election to the Council of the Institute, he is found to have taken part, directly or indirectly, either himself or through any other person, in any of the following activities :—

- (1) issuing manifestoes or circulars;
- (2) canvassing votes, expressly or by implication by visiting places of business or residence of the voters or by writing personal letters or in any other manner whatsoever; and
- (3) organising parties to entertain voters.

Explanation.—For the removal of doubts, it is hereby clarified that furnishing through the form of nomination under sub-regulations (3) and (4) of regulation 65 information required or permitted to be furnished therin to enable the Secretary to send the information pursuant to regulation 70 shall not render a member liable to disciplinary action under this regulation."

IV. In regulation 112, add the following new sub-regulation at the end :—

"(9) The provisions of regulation 103 shall apply to the elections to the Regional Councils in the same manner and to the same extent as they apply to election to the council."

V. In Form 26 of Schedule 'A', after the first paragraph of the declaration of the candidate and before the paragraph relating to nomination fee, insert the following:—

"I agree to abide by the provisions of the Chartered Accountants Act, 1949, and the Chartered Accountants Regulations, 1964, relating to elections.

The statement pursuant to sub-regulation (3) of regulation 65 is annexed hereto."

VI. After Form 26 of Schedule 'A', insert the following annexure thereto.

"Annexure to Form "26"

Statement pursuant to Regulation 65(3)/65(4)

I, _____ give below the particulars
concerning myself :—

(a) Name, membership No. and address
(b) Age

(c) Academic qualifications (diplomas and degrees recognised by Government and membership of recognised professional bodies)

(d) Whether associate or fellow

(e) Year of enrolment—as an associate—as a fellow.

*I also give below the following additional particulars concerning myself :—

(a) Passport size recent photograph,

(b) Merit awards in the examinations of recognised universities and the examinations conducted by the Institute.

(c) Particulars of occupation—

(i) employment (name of employer with designation)

(ii) practice (Solo proprietor or in partnership including the name of the firm).

(iii) particulars of other occupation, if not covered by (i) and (ii) above.

(d) Other particulars—

(i) past and present membership of Central Council, Regional Councils, and Managing Committees of branches of Regional Councils, including office of President and/or Vice-President in the case of Central Council and office of Chairman, Vice-Chairman, Secretary and/or Treasurer in the case of Regional Councils and/or branches of Regional Councils.

(ii) office held as Vice-Chairman, Secretary and/or Treasurer in the case of the Managing Committee of a Students' Association of the Institute or its branch/es.

(iii) contributions in professional seminars and conferences during a period of five years before the date of nomination.

(iv) authorship of books on subjects of professional interest.

(v) authorship of articles on professional subjects not covered by (iii) & (iv) above during a period of five years before the date of nomination.

(vi) grant of National and State awards.

(vii) academic positions held in recognised universities."

Place

Date : Signature of candidate

VERIFICATION

I, _____ do hereby declare that the particulars given above are correct to the best of my knowledge and belief.

Place :

Date . Signature of the candidate

"The candidate may at his option furnish all of any of these particulars."

P. S. GOPALAKRISHNAN
Secretary

DEPARTMENT OF POSTS & TELEGRAPHS

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF POSTS & TELEGRAPHS

New Delhi-110001, the 3rd April 1976

NOTICE

No. 25/23/76-LI.—Postal Life Insurance Policy No. A-2832 dated 4-11-60 for Rs. 5000/- held by Maj A. K. Biswas having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Dy. Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue a duplicate policy in favour of

the insurance. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policy.

R. N. DEY
Director (PLI)

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th March 1976

(COST ACCOUNTANTS)

CWR(1)/76.—The following draft of certain amendments to the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, proposed to be made in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (Act Number 23 of 1959) is published for information of all persons likely to be affected thereby and Notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after 30th April 1976.

Any objection or suggestion which may be received from any persons with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India.

In the said Regulations :

In Regulation 17, after the existing Proviso, add the following further Proviso, namely:

Provided further that in the case of restoration of a name of a person which was removed under sub-section (1) or sub-section (2) of Section 20, it shall be effective only from the date on which his name is actually restored and the period during which his name stood removed shall not be counted for any purpose."

EXPLANATORY NOTE ON THE ABOVE AMENDMENTS:

The following is the Explanatory Notes on the amendments proposed in Notification No. CWR(1)/76 dated 4th March 1976. This note is intended only to clarify the intention of the Council underlying these amendments and should not be construed as limiting or amplifying the scope of these amendments in any manner whatsoever.

Item I: When a member's name is removed from the Register of Members under Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, there is obviously a break in his membership and though the name is subsequently restored to the Register, the break is not cured. The proposed addition of the second Proviso to Regulation is to make clear the above position beyond doubt.

S. N. GHOSH
Secretary

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-1, the 25th March 1976

No. AE/1(5)Sec-20/74.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR-334(E), dated the 27th July, 1974, published at Page 1500 of Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3, Sub-section (i) dated the 27th July, 1974, and in exercise of powers conferred by sub-section (2), (3) and (4) of section 20 of the Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 (No. 37 of 1974), I. K. S. Naik, Central Provident Fund Commissioner, hereby authorise Sarvashri S. Vijayan, I. Christopher and R. Ravendranathan Nair as officers for the purpose of said Act and the Scheme framed thereunder in respect of employers of the employees (other than employees referred to in clauses (a) and (b) section 3 of the said Act) to exercise jurisdiction over whole of the State of Kerala and the Mahe area of the Union Territory of Pondicherry and Union Territory of Lakshadweep.

K. S. NAIK
Central Provident Fund Commissioner